Subject :- सामान्य हिंदी

Topic:- हिंदी व्याकरण

Class :- 12th (11th वाले भी देखें)

V. Most. Imp.

अनेकार्थी वाक्यांश के लिए शब्द

समोच्चरित शब्द

स्वर संन्धि (All Practice)

Gyansindhu Coaching Classes

(सन्धि विच्छेद)

हिमालय: — हिम + आलय: (दीर्घ)

देवालय: — देव + आलय: (दीर्घ)

विद्यालय: — विद्या + आलय: (दीर्घ)

• विद्यालयेऽस्मिन् — विद्यालये + अस्मिन् (पूर्वरूप)

परमार्थ: — परम + अर्थ: + परमार्थ: (दीर्घ)

Gyansindhu Coaching Classes

कवीश्वर — कवि + ईश्वर: (दीर्घ)

सूर्य + उदय: — सूर्योदय: (गुण)

वधूत्सव: — वधू + उत्सव: (दीर्घ)

रमेश: — रमा + ईश: (गुण)

महोत्सव: — मह + उत्सव: ⇒ गुण

Gyansindhu Coaching Classes

देवर्षि: — देव + ऋषि: ⇒ गुण

मध्वारि: — मधु + अरि: ⇒ यण

* शायनम् — शी + अनम
↓ अयादि

इत्यादि — इति + आदि = यण

यद्यपि — यदि + अपि = "

* राजर्षि
↳ राजा + ऋषि ✓

प्रभृत्येव → प्रभृति + एव (यण)

* शुक्लाम्बरम्
शुक्ल + अम्बरम्
दीर्घ

नाविक: — नौ + इक: = अयादि |

Gyansindhu Coaching Classes

उपर्युक्त — उपरि + उक्त (यण) *क्षीरनिधौविव

पितृ + आज्ञा = पित्राज्ञा (यण) क्षीरनिधौ + इव

देवेशः — देव + ईशः (गुण) अयादि

* नयनम्

नर + इन्द्रः — नरेन्द्रः ⇒ गुण ने + अनम्

भवनम् — भो + अनम् — अयादि अयादि

भावनम् — भौ + अनम् — अयादि

महेश्वरः — महा + ईश्वरः (गुण)

नायिका — नै + इका ← (अयादि) → गायिका — गै + इका

नायकः — नै + अकः ↗ ↖ पावकः — पौ + अकः

पो + अन — पवन

पौ + अन — पावन

रक्षोपायः ↓ रक्षः + उपायः → गुण

सुरेशः — सुर + ईशः (गुण)

स + अक्षरः = साक्षरः → दीर्घ

शायकः — शै + अकः | शायिका — शै + इका

(अयादि)

Gyansindhu Coaching Classes

स्वागतम् — सु + आगतम् (यण्)

अति + आचार: → अत्याचार:

सदाचारोपदेश: - सदाचार + उपदेश: (गुण)

वसन्तोत्सव: — वसन्त + उत्सव:

अयादि

पद्मालय: — पद्म + आलय: (दीर्घ)

कलाविव - कलौ + इव

दीर्घ

रमेश्वर — रमा + ईश्वर:

रामेश्वर — राम + ईश्वर:

गुण

उत्तीर्यापि — उत्तीर्य + अपि

प्रत्यर्पण — प्रति + अर्पण

यण्

Gyansindhu Coaching Classes

(अनेकार्थी शब्द)

अँचल → किनारा, क्षेत्र

अंश → हिस्सा, डिग्री

अन्त → अन्तहीन, आकाश

कवि → कालजयी, बुद्धिमान

कर → हाथ / टैक्स, करना / किरण

कौशिक → विश्वामित्र, इन्द्र

कंचन → सोना, धतूरा, धन / ऐश्वर्य

अलि → भँवरा, सखी

काल → समय, मृत्यु

आकाश → वस्त्र, आकाश

कपि → वानर, हानी

आग → जलन, अग्नि, गर्मी

अर्थ → धन, कारण

Gyansindhu Coaching Classes

गति — चाल, अवस्था / स्थिति | गुण — रस्सी, स्वभाव, विशेषता / गुरु — दीर्घ, बड़ा, आचार्य

तात — पुत्र | पिता | भाई

• जलज — मोती, कमल | • तीर — किनारा, बाण / • दण्ड — डण्डा, सजा

• दल — समूह, सेना

गोपाल — कृष्ण, ग्वाला | घनश्याम — काला बादल, श्रीकृष्ण

गौ — भूमि, गाय | चपला — विद्युत, लक्ष्मी

Gyansindhu Coaching Classes

- द्विज — पक्षी, ब्राह्मण
- धरा — धरती, घड़ा
- नग — पर्वत, नगीना, वृक्ष
- नाक — नासिका (Nose), स्वर्ग, आकाशमण्डल
- नाग — साँप, हाथी
- पतङ्ग — सूर्य, पक्षी, कीट
- पत्नी — भार्या (wife), परिणीता
- पद — स्थान, पैर, छन्द का चरण
- पय — दूध / जल, पेय पदार्थ
- पत्र — पत्ता, चिट्ठी

Gyansindhu Coaching Classes

पयोधर — बादल, समुद्र

बाल — केश (Hair), बालक (छोटा)

मित्र — सूर्य, दोस्त

मेघ — बादल, सांड

राग — प्रेम, रागिनी, गाने विलाप

रस — आस्वादन, अर्क

पर — गोत्र, दूल्हा, आशीर्वाद

वर्ण — रंग, जाति

विधि — ब्रह्मा, नियम, कारण

शिव — शंकर, कल्याण

Gyansindhu Coaching Classes

श्रुति < कर्ण (कान), वेद

साधन < उपासना, कार्यसिद्धि

सारंग < बादल, हवा, कमल, रात, नदी

सोम < कुबेर, चन्द्रमा, अमृत

स्नेह < तेल, प्रेम

हंस < पक्षी, सूर्य

हरि < सिंह, भगवान, विष्णु

हलधर < बलराम, किसान, बैल

हार < पराजय, माला

Gyansindhu Coaching Classes

(वाक्यांश के लिए एक शब्द)

- अकाट्य — अ + काट्य
- अकरणीय → अ + करणीय
- अगम्य
- अगोचर
- अच्युत
- अज
- द्विज
- अजातशत्रु
- अजर
- अजेय
- अज्ञेय
- अण्डज
- अतिथि
- अतीन्द्रिय

  अति + इन्द्रिय
- अतुलनीय
- अदम्य

Gyansindhu Coaching Classes

- अदृश्य
- अदृष्टपूर्व
- अनासक्त
- अन् + आहूत (अनाहूत)
- अनिर्वचनीय
- अनुमोदन (Approval) → समर्थन / सहमति
- अनुपम — अन् + उपम (तुलना) अतुलित
- अंतरिक्ष — धरती और आकाश के मध्य का स्थान।

- अन्योन्याश्रित
- अपकर्ष → उत्कर्ष
  - अपकर्ष ↓ नीचे खींचना
  - उत्कर्ष ↓ ऊपर ले जाना
- अभिप्लुत ✓
- अभीप्सा – उत्कट अभिलाषा
- आजानु बाहु
- आसन्नमृत्यु ✓
- उच्छिष्ट – जूठा भोजन
- अरसिक
- अवसरवादी
- आत्मोत्सर्ग
  - आत्म + उत्सर्ग

Gyansindhu Coaching Classes

कर्तव्यविमूढ़ — कर्तव्य का बोध न हो

किंकर्तव्यविमूढ़ — क्या करे यह समझ न आए

कृतज्ञ — उपकार मानने वाला

कृतघ्न — न ''

- दर्शनेच्छा
- जिज्ञासु / जितेन्द्रिय
- छिद्रान्वेषी
- जिजीविषा
- नास्तिक / आस्तिक
- चम्पूकाव्य => गद्य+पद्य
- निर्निमेष / अनिमेष
- विशीर्ष
- पादप
- प्रत्यावर्तित
- पार्थिव

Gyansindhu Coaching Classes

- शरणागत
- शास्त्रज्ञ
- सम्पादक
- सवत्सा
- विधुर
- युग प्रवर्तक
- कालजयी
- प्रवासी
- प्रागैतिहासिक
- मितभाषी
- मितव्ययी
- मितभोजी
- वातानुकूलित
- शताब्दी
- सद्यःस्नाता
- सद्यःस्नात
- वेदपाठक

Gyansindhu Coaching Classes

: जठराग्नि / जठरानल — पेट की आग

: दावाग्नि / दावानल — जंगल की आग

: वडवाग्नि / वड़वानल — समुद्र की आग

: सर्वज्ञ — सब कुछ जानने वाला

: अल्पज्ञ — कम " "

अभूतपूर्व — जो पहले न हुआ हो

- कटुभाषी – • क्षम्य
- सत्यनिष्ठ | सत्याग्रही | सत्यव्रत

निष्ठा आग्रह व्रत

Gyansindhu Coaching Classes

(रचनाएं)

पाठ्यपुस्तक से कवि एवं

सम्बन्धित

लेखकों की

ध्यान से पढ़ लेना

Thanks For Reaching US